Course code	Buddhist Literature and Philosophy, Paper –I (DSE\GE 10A)	L	T	P	C
BBUPA20Y301	बौद्ध साहित्य और दर्शन, प्रश्न पत्र – 1	3	2	0	5
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		50 Marks			

Course Objectives:

- बौद्ध साहित्य के इतिहास की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में बौद्ध साहित्य के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- बौद्धदर्शन के अभ्यास की प्रवृत्ति विकसित करना।
- पालिभाषा में लेखन कला की दक्षता विकसित करना।

Course Outcome:

- बौद्ध साहित्य की विशेषताओं का ज्ञान होना।
- पालि भाषा के महत्त्व का पता चलना।
- पालि साहित्य के इतिहास की परम्परा का ज्ञान होना।
- बौद्ध दर्शन की विभिन्न कोटियों की समझ विकसित होना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में चिंतन कौशल का विकास होना।
- छात्रों में विचारों के अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- साहित्य के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक एवं प्रयोगों का विकास होना।
- विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

Unit-I — **20**

त्रिपिटक साहित्य

- सुत्तपिटक
- विनयपिटक
- अभिधम्मपिटक

Unit -2 — **15**

- आर्य सत्य
- अष्टांगिक मार्ग
- समाधि

Unit-3 — **12**

- हीनयान
- महायान
- विज्ञानवाद
- शून्यवाद

Unit-4	10
• क्षणिकवाद • अनीश्वरवाद • अनात्मवाद • प्रतीत्य–समुत्पाद	
Unit-5	**18**
• धम्मपद–एक से पांच वर्ग तक	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures			
Text/Reference Books			

- बौद्ध–दर्शन मीमांसा – आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्या भवन, चौक वाराणसी।
- बौद्ध दर्शन – आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा मंदिर, वाराणसी, 1946
- बौद्ध धर्म दर्शन – आचार्य नरेन्द्र देव, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2004
- बौद्ध धर्म दर्शन – आचार्य शिवपूजन सहाय।
- पालि भाषा और साहित्य का इतिहास – डॉ. भागचन्द्र जैन भास्कर, जगतगुरु रामानन्दाचार्य सं. विश्वविद्यालय, जयपुर, 2015
- पालि साहित्य का इतिहास – महापण्डित राहुल सांकृत्यायन, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 1963
- पालि साहित्य का इतिहास – डॉ. कोमलचन्द्र जैन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1987
- धम्मपद, हिन्दी अनुवाद सहित, बौद्ध भारती अथवा किसी भी प्रकाशन का।

Course code :	Drama and other Literature, Paper –II, (DSE\GE 10B)	L	T	P	C
BBUPA20Y302	नाटक और अन्य साहित्य, प्रश्न पत्र – 2	3	2	0	5
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		50 Marks			

Course Objectives:

- नाट्य साहित्य की आवश्यक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में नाटकों और कथाओं के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- स्वस्थ मनोरंजन की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- पालि भाषा में लेखन दक्षता विकसित करना।

Course Outcome:

- पालि भाषा की विशेषताओं का ज्ञान होना।
- पालि नाटकों की सूक्ष्मता का पता चलना।
- पालि भाषा की नाट्य/कथा परम्परा का ज्ञान होना।
- पालि साहित्य की विभिन्न कोटियों की समझ विकसित होना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- पालि में मंचन कौशल का विकास होना।
- पालि भाषा के अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- पालि के सन्दर्भ में नूतन तकनीक, कौशल विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
- मंचन सम्बन्धी समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

Unit-I	**20**
• अश्वघोष और शारिपुत्र प्रकरण	
Unit -2	**15**
• दिग्नाग और कुन्दमाला नाटक	
Unit-3	**12**
• थाईलैण्ड का पालि साहित्य	
Unit-4	**10**
• श्रीलंका का पालि साहित्य	
Unit-5	**18**
• वर्मा का पालि साहित्य	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		
Text/Reference Books		

- पालि भाषा और साहित्य का इतिहास – डॉ. भागचन्द्र जैन भास्कर, जगतगुरु रामानन्दाचार्य सं. विश्वविद्यालय, जयपुर, 2015।
- पालि साहित्य का इतिहास –महापण्डित राहुल सांकृत्यायन, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 1963।
- Malalsekhar, G P, The Pali Literature of Ceylon, Colombo
- पालि साहित्य का इतिहास–वासुदेव जी. तगारे, पूना 1982.